ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारत: लोग और अर्थव्यवस्था

अध्याय - 9

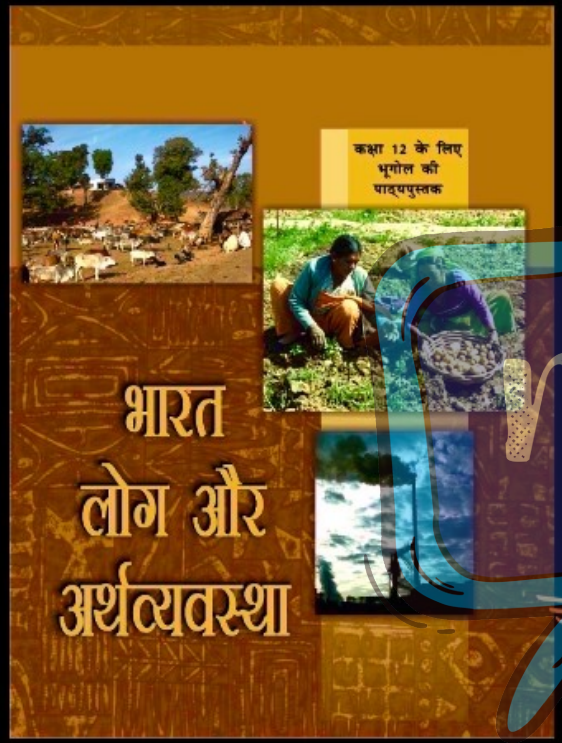
भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

भाग - 3

पंकज वैष्णव

ipca
A dose of life

mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



विषय-सूची

	आमुख	iii
	पाठ्यपुस्तकों में पाठ्य सामग्री का पुनर्संयोजन	v
	इकाई I	
1.	जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन	1-14
	इकाई II	
2.	मानव बस्तियाँ	15-20
	इकाई III	
3.	भूसंसाधन तथा कृषि	21-40
4.	जल-संसाधन	41-52
5.	खनिज तथा ऊर्जा संसाधन	53-64
6.	भारत के संदर्भ में नियोजन और सततपोषणीय विकास	65-73
	इकाई IV	
7.	परिवहन तथा संचार	74-83
8.	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	84-92
	इकाई V	
9.	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ	93-103
	परिशिष्ट	104-111
	शब्दावली	112
	संदर्भ पुस्तकें	113-114

© NCERT not to be republished

C-2 : प्रवास - प्रकार, कारण, परिणाम ✗

C-3 : मानव विकास ✗

C-4 : निर्माण उद्योग ✗

ipca
A dose of life

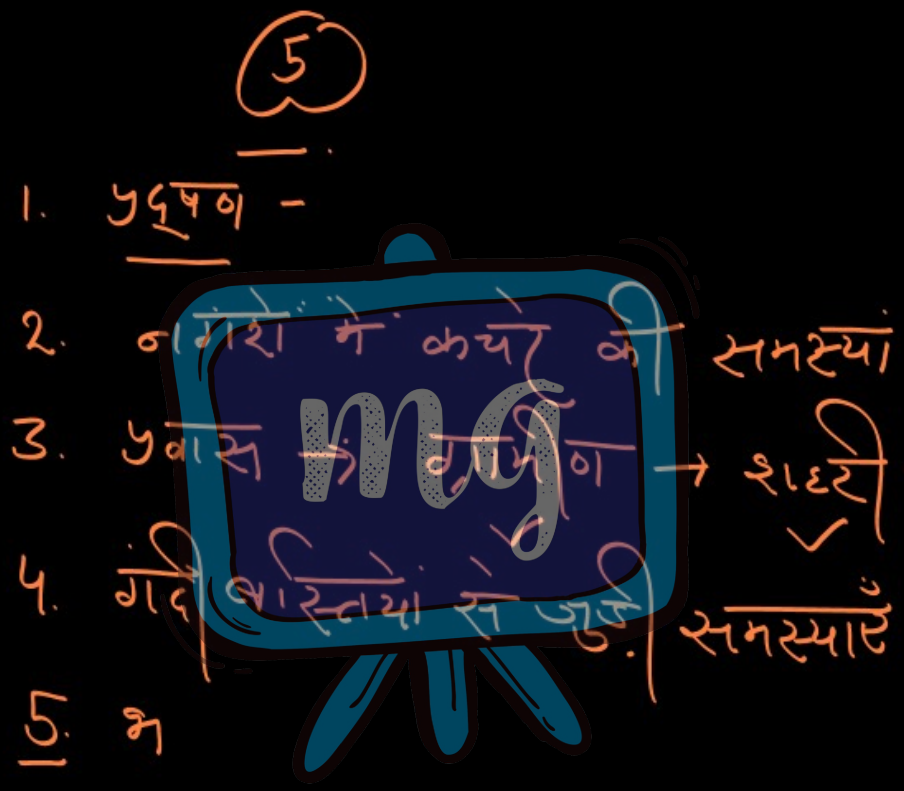
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

पर्यावरण प्रदूषण



- मानवीय क्रियाकलाप → अपशिष्ट उत्पाद → प्रदूषण
- प्रदूषण के प्रकार :-
  - (i) जल प्रदूषण
  - (ii) वायु प्रदूषण
  - (iii) भू-प्रदूषण
  - (iv) ध्वनि प्रदूषण



नगरीय अपशिष्ट निपटान

- नगरीय क्षेत्रों को प्रायः भीड़-भाड़, तेज़ बढ़ती जनसंख्या के लिए अपर्याप्त सुविधाएँ, साफ़-सफ़ाई की खराब स्थिति, प्रदूषित-वायु के रूप में पहचाना जाता है
- विभिन्न स्त्रोतों द्वारा जनित अपशिष्ट की मात्रा बहुत अधिक होती जा रही है

केस अध्ययन

दौराला में पारिस्थितिकी के पुनर्भरण और मानव स्वास्थ्य के सुरक्षण का एक अनुकरणीय उदाहरण

- 'प्रदूषक भोगता है' के वैश्विक नियम के आधार पर दौराला (मेरठ के निकट) में लोगों की प्रतिभागिता के सहारे पारिस्थितिकी के पुनर्भरण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रयास किया गया

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- मेरठ के एक गैर सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.) द्वारा पारिस्थितिकी पुनर्भरण के एक मॉडल की रचना के 3 वर्ष बाद परिणाम आने आरंभ हो गए
- दौराला स्थित उद्योगों के पदाधिकारियों, गैर-सरकारी संगठनों, सरकारी अधिकारियों की मेरठ में मीटिंग हुई

लोगों के शक्तिशाली तर्कों, प्रामाणिक अध्ययनों और दबाव से इस गाँव के 12,000 निवासियों को एक नया जीवन दान मिला

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- 2003 में दौरालावासियों की दयनीय दशा ने एक जनहित सभा (सिविल सोसायटी) का ध्यान आकृष्ट किया

- इस गाँव का भू-जल भारी-धातुओं के संपर्क से संदूषित हो चुका था

  कारण :- दौराला के उद्योगों के अनुपचारित अपशिष्ट जल का भू-जल में निक्षालन

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- एन.जी.ओ. के कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर लोगों के स्वास्थ्य-स्तर संबंधी सर्वेक्षण किया और एक रिपोर्ट बनाई
- उस संगठन, ग्रामीण समुदाय और जन-प्रतिनिधियों ने आपस में बैठकर इन समस्याओं के टिकाऊ समाधान ढूँढ़ने का प्रयास किया

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- गाँव की उपरली टंकी (Over Hand Tank) की क्षमता बढ़ाई गई और समुदाय को पीने योग्य जल उपलब्ध कराने के लिए 900 मीटर की अतिरिक्त पाइपलाइन बिछाई गई।
- गाँव के तालाब को साफ़ किया गया और इसे गाद-मुक्त करके पुनः जल से भर दिया गया।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- वर्षा-जल संग्रहण की संरचनाएँ बनाई गई जिनसे मानसून के पश्चात भू-जल के संदूषण में कमी आई।
- 1000 वृक्ष लगाए गए जिससे पर्यावरण का संवर्धन हुआ

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ग्रामीण-शहरी प्रवास

- भारत में नगरों की जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है
- नगरीय जनसंख्या में वृद्धि के कारण
  - प्राकृतिक वृद्धि (जन्म-दर > मृत्यु-दर)
  - निवल आप्रवास (आने वाले > बाहर जाने वाले)
  - नगरीय क्षेत्रों का पुनः वर्गीकरण
    (आसपास की ग्रामीण-जनसंख्या को शामिल)


mg

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- **ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों की ओर जनसंख्या प्रवाह के कारक**
  - नगरीय क्षेत्रों में मज़दूरों की अधिक माँग,
  - ग्रामीण क्षेत्रों में रोज़गार के निम्न अवसर
  - नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बीच विकास का असंतुलन

भारत

1961 के बाद शहरी क्षेत्रों की जनसंख्या में 60% की वृद्धि
(29% जनसंख्या ने ग्रामीण से शहरी क्षेत्रों में प्रवास किया)

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

छोटे एवं मध्यम शहरों में रोजगार के कम अवसर

गरीब लोग अपनी आजीविका के लिए इन शहरों को छोड़कर महानगरों में पहुँचते हैं

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

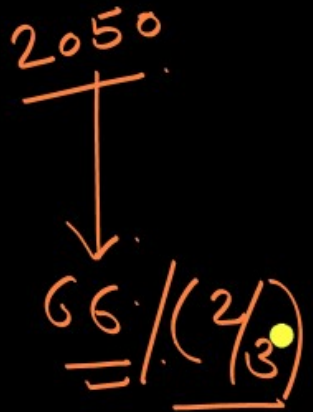
भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- विश्व की 6 अरब जनसंख्या में से 47% जनसंख्या नगरों में रहती है
- निकट भविष्य में इसमें और अधिक जुड़ जाएँगे
- इससे सरकार पर दबाव बनेगा कि वे जीवन की वांछित गुणवत्ता के लिए अनुकूलतम अवसंरचना के साथ नगरीय क्षेत्रों को जीने के लिए बेहतर स्थान बनाएँ

ipca
A dose of life

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ



- 2050 तक, विश्व की अनुमानित दो-तिहाई जनसंख्या नगरों में रह रही होगी जो क्षेत्र की अवसंरचना और नगरों के संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालेगी

यह दबाव स्वच्छता, स्वास्थ्य, आपराधिक-समस्याओं और नगरीय-गरीबी के रूप में व्यक्त होगा

केस अध्ययन

- रमेश तलचर (उड़ीसा का कोयला क्षेत्र) में निर्माण-स्थल पर 2 वर्षों से एक वेल्डर के रूप में कार्य कर रहा है (अनुबंध के आधार पर)

- वह अपने ठेकेदार के साथ-साथ देश-भर में विभिन्न जगहों (सूरत, मुंबई, गांधीनगर, भरूच, जामनगर आदि नगरों) में जाता है।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- रमेश प्रतिवर्ष अपने गाँव में पिता के पास 20,000 रु. भेजता है
- उसके परिवार के रहन-सहन का स्तर सुधरा है

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- 15 वर्ष पहले हालात ऐसे नहीं थे
  परिवार बहुत ही कठिन परिस्थितियों से गुजर रहा था
- उसके 3 भाई और उनके परिवार 3 एकड़ भूमि पर निर्भर थे। परिवार बुरी तरह से कर्ज में डूबा हुआ था
- रमेश को अपनी पढ़ाई कक्षा-9 में ही छोड़नी पड़ी। शादी के बाद तो वह और कठिन परिस्थितियों में घिर गया

- इसी समय, रमेश अपने गाँव के कुछ सफल उत्प्रवासियों से प्रभावित हुआ, जो लुधियाना में काम कर रहे थे और गाँव में अपने परिवारों को पैसे, वस्तुएँ भेज रहे थे।

- इस तरह परिवार की कंगाली और लुधियाना में नौकरी का भरोसा पाकर वह अपने मित्र के साथ पंजाब चला आया

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- उसने 1988 में लुधियाना की एक ऊन-फैक्टरी में 20 रु. प्रतिदिन की मज़दूरी पर 6 माह तक काम किया।
- अपनी इस अल्प-आय में वैयक्तिक खर्चों का इंतज़ाम कर पाने की मुश्किल के साथ-साथ उसे नई संस्कृति और पर्यावरण के साथ स्वयं को अनुकूलित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- इसके बाद उसने अपने दोस्त के मार्गदर्शन पर लुधियाना से सूरत (गुजरात) में काम करने का निर्णय लिया।
- सूरत में उसने वेल्डिंग के कार्य करने का कौशल सीखा
- इसके बाद वह उसी ठेकेदार के साथ अलग-अलग जगहों पर जाता रहता है।

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- हालाँकि रमेश के गाँव में उसकी परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरी है, परंतु उसे अपनों से दूर रहने की पीड़ा झेलनी पड़ती है
- वह अपनी पत्नी एवं बच्चों को अपने साथ नहीं ले जा सकता क्योंकि उसकी नौकरी अस्थायी और स्थानांतरणीय है

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

- विकासशील देशों में, रमेश जैसे गरीब, अर्धशिक्षित एवं अकुशल श्रमिक परिवार का पोषण करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में प्रवास करते हैं (असंगठित एवं अनौपचारिक क्षेत्रों के छोटे मोटे धंधे)
- चूँकि गंतव्य स्थान पर मज़दूरी काफ़ी कम होती है, इसलिए पत्नियों को गाँव में बच्चों और बड़ों की देखभाल के लिए छोड़ दिया जाता है।

इसी कारण ग्रामीण-नगरीय प्रवास में पुरुषों का प्रभुत्व

ipca
A dose of life

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

① અપરિષ્ઠ નિપજવાનો → મેરઠ (ધોરાજી)

→

② પ્રવાસી (ગ્રામીણ → શહેરી) → સ્ત્રોત

→ ૭ →

→ લુધિયાના

→ સુરત